1. भाषा और व्याकरण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. मानव मुख से उच्चरित सार्थक ध्वनियों की वह व्यवस्था जिसके द्‌वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों का आदान-प्रदान करता है, भाषा कहलाती है।
2. भाषा का मौखिक और स्थानीय रूप बोली कहलाता है। बोली जब विस्तृत क्षेत्र में प्रयुक्त होने लग जाती है तब वह उपभाषा कहलाती है।
3. व्याकरण भाषा के लिए इसलिए आवश्यक है क्योंकि व्याकरण के द्‌वारा ही भाषा के शुद्‌ध एवं मानक रूप का ज्ञान होता है। व्याकरण के कारण ही भाषा को शुद्‌ध पढ़ना, बोलना तथा लिखना सीखा जाता है।
4. राजभाषा हिंदी का प्रयोग विभिन्न सरकारी कार्यालयों में किया जाता है इसलिए इसे कार्यालयी भाषा कहते हैं। हिंदी का प्रयोग दूरदर्शन, पत्र-पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, रेडियो आदि विभिन्न संपर्क माध्यमों के द्‌वारा भी अधिकाधिक किया जाता है। इसलिए यह संपर्क भाषा भी कही जाती है।
5. भाषा का क्षेत्र विस्तृत होता है जबकि बोली का क्षेत्र सीमित होता है। बोली स्थानीय स्तर पर बोली जाती है। भाषा का लिखित रूप भी होता है जबकि बोली का लिखित रूप नहीं होता।
6. हिंदी का वह रूप जो हिंदी की पुस्तकों, समाचार पत्र-पत्रिकाओं, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन पर प्रस्तुत किया जाता है, मानक रूप कहलाता है।
7. किसी भी देश के राजकाज की भाषा राजभाषा कहलाती है। हिंदी को 14 सितंबर, 1949 में राजभाषा घोषित किया गया। यह केंद्रीय सरकार की राजभाषा होने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा आदि राज्यों में भी राजभाषा के रूप में प्रयोग में लाई जाती है।

(ख) दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

1. बोलचाल की भाषा क्या कहलाती है? (ख) मौखिक भाषा ✓
2. जब उच्चरित ध्वनि संकेतों को निश्चित चिह्‌नों द्‌वारा लिखकर अंकित किया जाता है, वह कौन-सी भाषा कहलाती है? (ग) लिखित भाषा ✓
3. थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बदलने वाला भाषा का मौखिक रूप क्या कहलाता है? (ख) बोली ✓
4. बोली जब विस्तृत क्षेत्र में प्रयुक्त होने लग जाती है तो क्या बन जाती है? (ख) उपभाषा ✓
5. हिंदी को राजभाषा कब घोषित किया गया? (क) 14 सितंबर, 1949 ✓

(ग) दी गई भाषाओं के सामने उनकी लिपियाँ लिखिए।

1.	पंजाबी	गुरुमुखी	2.	जर्मन	रोमन
3.	नेपाली	देवनागरी	4.	उर्दू	अरबी-फ़ारसी
5.	संस्कृत	देवनागरी	6.	फ़ारसी	सिरिलिक
7.	अंग्रेज़ी	रोमन	8.	हिंदी	देवनागरी

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए शब्द-जाल में भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के नाम ढूँढ़िए।

त	म	म	णि	पु	री
मि	रा	ने	पा	ली	ज
ल	ठी	अ	ओ	डि	या
री	क	पं	ख	मै	ग
उ	र्दू	जा	घ	थि	सिं
आ	घ	बी	च	ली	धी

(ख) विभिन्न देशी और विदेशी भाषाओं का एक चार्ट तैयार कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

2. वर्ण विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, वे ह्रस्व स्वर होते हैं। अ इ उ ऋ ह्रस्व स्वर हैं।
   जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व से दोगुना समय लगता है, वे दीर्घ स्वर होते हैं। आ ई ऊ ए ऐ ओ औ दीर्घ स्वर हैं।
2. जिन वर्णों के उच्चारण में वायु अल्प मात्रा में निकलती है, उन्हें अल्पप्राण वर्ण कहते हैं। जिन वर्णों के उच्चारण में वायु अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में निकलती है, वे महाप्राण वर्ण होते हैं।
3. शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।
4. किसी शब्द के उच्चारण में किसी अक्षर पर जो बल दिया जाता है, उसे बलाघात कहते हैं।

(ख) दिए गए विकल्पों में से उचित विकल्प चुनिए।

1. जिन स्वरों के उच्चारण में केवल एक मात्रा का समय लगता है, वे क्या कहलाते हैं? (क) ह्रस्व ✓
2. श्वास नली के ऊपर ढक्कननुमा भाग को क्या कहते हैं? (क) स्वरयंत्र ✓
3. जिनके उच्चारण में श्वास-वायु अधिक मात्रा में बाहर आती है और उच्चारण में अधिक समय लगता है, वे क्या कहलाते हैं? (ख) महाप्राण ✓
4. जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वरतंत्रियों में कंपन नहीं होता है, वे क्या कहलाते हैं? (ख) अघोष ✓

(ग) उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. उच्चारण के अनुसार स्वर के मुख्य **तीन** भेद हैं।
2. **प्लुत** के उच्चारण में तीन मात्रा काल का समय लगता है।
3. जो योग न होने पर भी साथ रहें, वे **अयोगवाह** कहलाते हैं।
4. दो अलग-अलग व्यंजनों के परस्पर मिलने से बनने वाले व्यंजन को **संयुक्त व्यंजन** कहा जाता है।
5. लिखते समय व्यंजन के साथ स्वर का जो रूप जोड़ा जाता है, उसे **मात्रा** कहते हैं।
6. अनुस्वार **नासिक्य** व्यंजन है।

(घ) निम्नलिखित प्रकार के व्यंजन लिखिए।

1. दंतोष्ठ्य व्यंजन – व, फ़
2. अर्धस्वर – य, व
3. महाप्राण व्यंजन – ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, ढ़, थ, ध, फ, फ़, भ, श, ष, स, ह
4. अघोष व्यंजन – क, ख, च, छ, ट, ठ, त, थ, प, फ, श, ष, स

(ङ) दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

1. पुस्तकालय – प् + उ + स् + त् + अ + क् + आ + ल् + अ + य् + अ
2. प्रसिद्ध – प् + र् + अ + स् + इ + द् + ध् + अ

3. व्यवस्थित – व् + य् + अ + व् + अ + स् + थ् + इ + त् + अ

4. अवगुण – अ + व् + अ + ग् + उ + ण् + अ

5. परिवर्तन – प् + अ + र् + इ + व् + अ + र् + त् + अ + न् + अ

6. यौगिक – य् + औ + ग् + इ + क् + अ

(च) निम्नलिखित अशुद्ध शब्दों को शुद्ध कीजिए।

1. रासायनिक	2. ऐतिहासिक	3. आशीर्वाद	4. हानि	5. पूज्य	6. धैर्य
7. विष	8. अभिषेक	9. कृष्ण	10. अर्जुन	11. चरण	12. ज्येष्ठ
13. गाँव	14. पृथक	15. गूँगा	16. आँख	17. क्षेत्र	18. उजड़ा

कुछ करने की बारी

दिए गए वर्ण-विच्छेदों से शब्द बनाकर शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

बाएँ से दाएँ

1. स् + अ + र् + अ + ल् + अ + त् + आ   2. त् + अ + ल् + अ + व् + आ + र् + अ

3. आ + त् + म् + ई + य् + अ + त् + आ

ऊपर से नीचे

1. स् + अ + फ् + अ + ल् + अ + त् + आ   2. त् + आ + क् + अ + त् + अ + व् + अ + र् + अ

3. आ + ज़ + आ + द् + ई

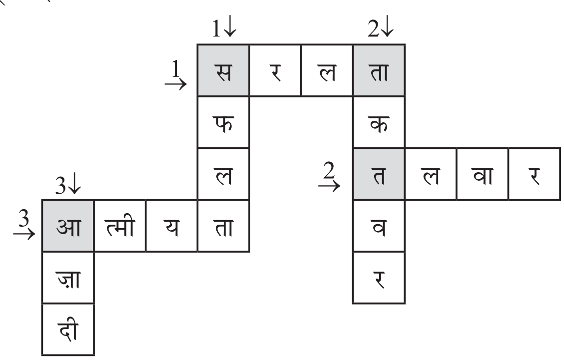

3. शब्द विचार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वर्णों का क्रमबद्ध समूह जो निश्चित अर्थ प्रदान करता है, शब्द कहलाता है। जैसे– कमल शब्द है पर लकम कोई शब्द नहीं है।
2. वर्णों का सार्थक समूह जो स्वतंत्र रूप में प्रयोग होता है, शब्द कहलाता है तथा वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द पद कहलाता है।
3. शब्दों के वर्गीकरण के पाँच आधार हैं– व्युत्पत्ति, रचना या बनावट के आधार पर, उत्पत्ति के आधार पर, अर्थ के आधार पर, व्याकणिक प्रकार्य के आधार पर, प्रयोग के आधार पर।
4. जो शब्द अपने मूल रूप में एक ही अर्थ के लिए स्थिर हो गए हैं अथवा एक ही अर्थ में प्रयोग होते हैं, रूढ़ शब्द कहलाते हैं। इन शब्दों के टुकड़े करने पर इनका कोई अर्थ नहीं निकलता। वे शब्द जो दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बने हों, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। इनके टुकड़ों का भी अर्थ होता है।
5. वे शब्द जो संस्कृत भाषा से ज्यों के त्यों उसी रूप में हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। संस्कृत के वे शब्द जो कुछ परिवर्तन के साथ हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों में से तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों को अलग-अलग कीजिए।

तत्सम	–	गृह	कर्ण	सत्य	घृत	सूर्य	स्वर्ण
तद्भव	–	गाँव	साँप	घर	आग	हाथ	फूल
देशज	–	झुग्गी	डिबिया	पेट	पगड़ी	थैला	खाट
विदेशी	–	स्कूल	पुलिस	पेंसिल	स्टेशन	कॉलेज	किताब

(ग) दिए गए तत्सम शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

1. दीपक – दीया	2. आम्र – आम	3. प्रस्तर – पत्थर	4. शुष्क – सूखा
5. अश्रु – आँसू	6. काष्ठ – काठ	7. घृत – घी	8. पुत्र – बेटा
9. नृत्य – नाच	10. दधि – दही	11. पक्षी – पंछी	12. रात्रि – रात
13. दुग्ध – दूध	14. दंत – दाँत	15. जिह्वा – जीभ	16. निद्रा – नींद

(घ) दिए गए शब्दों के सामने लिखिए कि ये शब्द रूढ़, यौगिक या योगरूढ़ हैं।

1. गरीब	रूढ़	2. विद्यालय	यौगिक
3. अमीर	रूढ़	4. हिमालय	योगरूढ़
5. प्रयोगशाला	यौगिक	6. खेत	रूढ़

7. नीलकंठ	योगरूढ़	8. जलज	योगरूढ़
9. दशानन	योगरूढ़	10. सज्जन	यौगिक
11. आदमी	रूढ़	12. गजानन	योगरूढ़

(ङ) सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. निश्चित अर्थ को दर्शाने वाले वर्ण समूह **शब्द** कहलाते हैं।
2. वाक्य में प्रयुक्त शब्द **पद** बन जाता है।
3. शब्दों के वर्गीकरण के **पाँच** आधार हैं।
4. जो शब्द मूलत: संस्कृत से हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, वे **तत्सम** शब्द कहलाते हैं।
5. जो शब्द अलग-अलग भाषाओं के मेल से बनकर प्रयोग में आ रहे हैं, वे **संकर** शब्द कहलाते हैं।

कुछ करने की बारी

दिए गए निर्देशों के आधार पर शब्द-जाल पूरा कीजिए।

बाएँ से दाएँ

1. 'गुलाम' का विलोम शब्द
3. एक विशाल पेड़ का नाम
5. 'घन' का समानार्थी शब्द
7. हलवाई का स्त्रीलिंग रूप
9. एक प्रकार का वाद्य यंत्र

ऊपर से नीचे

1. 'गगन' का समानार्थी शब्द
2. अंग्रेज़ी के एक महीने का नाम
4. जो द्‌वार पर खड़ा होता है
6. किसी वस्तु को पाने की इच्छा जगना
8. 'घटना' का समानार्थी शब्द

[1]आ	ज़ा	द	[2]न					
स			वं					
मा			[3]ब	र	ग	[4]द		
न			र			र		
						[5]बा	द	[6]ल
		[7]ह	ल	[8]वा	इ	न		ला
				र				यि
				दा				त
				[9]त	ब	ला		

4. उपसर्ग और प्रत्यय

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वे शब्दांश जो किसी शब्द के आगे जुड़कर एक नया शब्द बनाते हैं, उपसर्ग कहलाते हैं।
2. प्रत्यय के दो भेद हैं– कृत प्रत्यय तथा तद्धित प्रत्यय।

   कृत प्रत्यय – वे प्रत्यय जो क्रिया के मूल रूप में जुड़कर नए शब्द बनाते हैं, कृत प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे– पी + अक्कड़ – पियक्कड़, सड़ + इयल – सड़ियल

   तद्धित प्रत्यय – जो प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण के अंत में जुड़कर नए शब्द बनाते हैं, तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जैसे– धन + वान – धनवान, दया + आलु – दयालु
3. उपसर्ग और प्रत्यय दोनों के द्वारा ही नए शब्दों का निर्माण होता है। इन दोनों में अंतर केवल इतना है कि उपसर्ग शब्द के आगे जुड़ते हैं तथा प्रत्यय शब्द के अंत में जुड़ते हैं।
4. कृत प्रत्यय क्रिया धातु के साथ जुड़ते हैं तथा तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम आदि शब्दों के साथ जुड़ते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।

1.	स्वाभिमान	स्व	+	अभिमान	2.	उपवन	उप	+	वन
3.	लाइलाज	ला	+	इलाज	4.	अभिमान	अभि	+	मान
5.	नासमझ	ना	+	समझ	6.	चौराहा	चौ	+	राह
7.	अत्याचार	अति	+	आचार	8.	परिक्रमा	परि	+	क्रमा
9.	अनुराग	अनु	+	राग	10.	सम्मान	सम्	+	मान
11.	संभावना	सम्	+	भावना	12.	चिरकाल	चिर	+	काल

(ग) दिए गए शब्दों में से मूल शब्द तथा दोनों प्रत्यय अलग कीजिए।

1.	दिखावटी	दिख	+	आवट	+	ई	2.	राष्ट्रीयता	राष्ट्र	+	ईय	+	ता
3.	धार्मिकता	धर्म	+	इक	+	ता	4.	दुखमयी	दुख	+	मय	+	ई
5.	समझदारी	समझ	+	दार	+	ई	6.	जयपुरियाई	जयपुर	+	इय	+	आई
7.	रंगीनी	रंग	+	ईन	+	ई	8.	बुद्धिमानी	बुद्धि	+	मान	+	ई

(घ) दिए गए शब्दों में से उपसर्ग, मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

1.	अवतारी	अव	+	तार	+	ई	2.	बदनामी	बद	+	नाम	+	ई
3.	स्वतंत्रता	स्व	+	तंत्र	+	ता	4.	निष्कलंकित	निस्	+	कलंक	+	इत
5.	अनजानी	अन	+	जान	+	ई	6.	पारिवारिक	परि	+	वार	+	इक
7.	अलंकरणीय	अल्	+	कर	+	अनीय	8.	सम्मानित	सम्	+	मान	+	इत

(ङ) दिए गए शब्दों से तीन-तीन शब्द बनाइए।

1. हँस	–	हँसी	हँसना	हँसमुख
2. मान	–	श्रीमान	स्वाभिमान	सम्मान
3. अर्थ	–	आर्थिक	अर्थवान	स्वार्थ
4. गुण	–	गुणी	गुणवान	सर्वगुण
5. खेल	–	खेलना	खिलौना	खिलवाड़
6. रंग	–	रंगीन	रंगीला	रंगदार
7. धर्म	–	धार्मिक	धर्मयुग	सद्धर्म

कुछ करने की बारी

(क) शब्द-जाल में दिए गए उपसर्गों से बने शब्द ढूँढ़िए।

1. अव
2. स्व
3. अभि
4. ला
5. बद
6. पुनर्
7. अन
8. सु

अ	क	र	स्व	दे	श	अ
भि	ट	ब	द	बू	द	व
यो	पु	ला	इ	ला	ज	गु
ग	न	अ	घ	ग	सु	ण
ख	विं	झ	न	थ	ल	ज
व	वा	च	ढ	चा	भ	ड
त	ह	ध	छ	न	हा	ठ

(ख) उपसर्ग और प्रत्ययों से बने शब्दों का एक चार्ट तैयार कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

5. शब्द भंडार

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वे शब्द जो भिन्न होते हुए भी एक ही अर्थ प्रकट करते हैं, समानार्थी शब्द कहलाते हैं।
2. विलोम शब्दों का प्रयोग करते समय ध्यान रखना चाहिए कि तत्सम शब्दों के विलोम तत्सम, तद्भव शब्दों के विलोम तद्भव, देशज शब्दों के देशज तथा विदेशी शब्दों के विदेशी शब्द ही विलोम होते हैं।
3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करने से भाषा में संक्षिप्तता तथा गंभीरता आती है।
4. एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्दों का भाषा में प्रयोग करते समय सावधानी इसलिए बरतनी चाहिए क्योंकि इन शब्दों के अर्थ एक समान प्रतीत होते हैं परंतु अर्थ अलग-अलग ही होते हैं।

(ख) उचित समानार्थी शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. कार्यक्रम की शुरुआत **सरस्वती** वंदना से हुई।
2. राकेश के पिता जी को **दिल** का दौरा पड़ा।
3. हर माता-पिता अपने बच्चों से **स्नेह** करते हैं।
4. **किसान** को अपने हल और बैल से बहुत प्रेम होता है।
5. माँ बच्चे को **दूध** पिला रही है।
6. **गर्मी** के मारे आज बुरा हाल हो गया।

(ग) दिए गए विकल्पों में से जो शब्द समानार्थी नहीं है उस पर गोला लगाइए।

1.	सरोवर	जलाशय	(सागर)	तड़ाग
2.	चतुर	प्रवीण	(दुष्ट)	कुशल
3.	आसमान	नभ	शून्य	(पयोद)
4.	पट	वसन	(जलज)	चीर
5.	(चरवाहा)	किसान	हलवाहा	खेतिहर

(घ) दिए गए शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए।

1.	फल	परिणाम	खाने वाला फल	2.	घन	बादल	हथौड़ा
3.	कनक	गेहूँ	सोना	4.	दंड	डंडा	सज़ा
5.	नाग	साँप	हाथी	6.	भेद	रहस्य	प्रकार
7.	हल	नतीजा	खेती का उपकरण	8.	उत्तर	एक दिशा	जवाब

(ङ) रंगीन शब्दों के विलोम शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. परीक्षा में दोनों तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं, सरल भी और **कठिन** भी।
2. हमें स्वभाव से दयालु होना चाहिए **निर्दयी** नहीं।
3. आज गाँव में निरक्षर लोगों को **साक्षर** करने की आवश्यकता है।

4. विद्यार्थियों को मौखिक एवं **लिखित** दोनों तरह के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
5. पशु-पक्षी भी **पराधीन** नहीं स्वाधीन जीवन जीना चाहते हैं।

(च) दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करके उनके अर्थ की भिन्नता को स्पष्ट कीजिए।

वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।

(छ) रंगीन शब्दों के स्थान पर एक शब्द प्रयुक्त करके वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. **निष्पक्ष** इंसान अच्छा होता है।
2. **मधुभाषी** व्यक्ति सभी को प्रिय होते हैं।
3. किसान ने जो भूमि **बंजर** थी उसको उपजाऊ बना दिया।
4. रवि **छात्रावास** में रहता है।
5. महारानी का हार **अमूल्य** है।

(ज) दिए गए एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करके उनके अर्थ के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करें।

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए शब्दों के समानार्थी शब्दों से शब्द-जाल पूरा कीजिए।

बाएँ से दाएँ

1. अग्नि
4. देवता
7. बालक
8. महिला
10. अंधकार

ऊपर से नीचे

1. इच्छा
2. युद्ध
3. कोमल
5. सुंदर
6. दिन
9. रात्रि

1 अ	न	2 ल		3 न	
भि		ड़ा		र	
ला		ई	4 अ	म	5 र
षा					म
					णी
6 दि			7 त	न	य
8 व	9 नि	शा			
स			10 अँ	धे	रा

(ख) कक्षा के सभी छात्रों को छह समूहों में बाँटें। पहले समूह के छात्र समानार्थी शब्द, दूसरा समूह विलोम शब्द, तीसरा समूह अनेकार्थी शब्द, चौथा समूह समरूपी भिन्नार्थक शब्द, पाँचवाँ समूह अनेक शब्दों के लिए एक शब्द तथा छठा समूह एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द बारी-बारी से ब्लैक बोर्ड पर लिखेंगे। जो समूह सबसे अधिक शब्द बताए, उसे विजेता घोषित किया जाए।

शिक्षक/शिक्षिका कक्षा में स्वयं कराएँ।

6. संज्ञा

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।
2. किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी का बोध कराने वाले शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा होते हैं। जिन शब्दों से किसी वस्तु अथवा प्राणी की पूर्ण जाति, समूह या वर्ग का बोध हो, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे– गांधी जी अहिंसा के पुजारी थे। इस वाक्य में गांधी जी विशेष व्यक्ति हैं तथा पुजारी जातिवाचक संज्ञा है।
3. भाववाचक संज्ञा का निर्माण जातिवाचक संज्ञा शब्दों से, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा अव्यय शब्दों से होता है।
4. जब व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी विशेष व्यक्ति का बोध न कराकर उस व्यक्ति जैसे गुण-दोषों से युक्त सभी व्यक्तियों का बोध कराती है तब वह व्यक्तिवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा बन जाती है।

(ख) दिए गए शब्दों के भाववाचक रूप लिखिए।

1. राष्ट्र – राष्ट्रीयता	2. बच्चा – बचपन	3. हिंसक – हिंसा	4. मुक्त – मुक्ति
5. लूटना – लूट	6. खामोश – खामोशी	7. नीचे – निचाई	8. नारी – नारीत्व
9. सेवक – सेवा	10. स्तब्ध – स्तब्धता	11. चतुर – चतुराई	12. ऊपर – ऊपरी
13. पूजना – पूजा	14. सफल – सफलता	15. स्वतंत्र – स्वतंत्रता	16. प्रभु – प्रभुता

(ग) कोष्ठक में दिए गए शब्दों के भाववाचक संज्ञा रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. आज देश में **शिक्षा** के स्तर को उठाना आवश्यक हो गया है।
2. उसके स्वभाव की **सरलता** ही सबको आकर्षित करती है।
3. राहुल रमेश की **मित्रता** कभी नहीं छोड़ सकता।
4. आज सभी तरह की **बुनाई** मशीनों से हो जाती है।
5. हमारे देश में प्रत्येक प्रांत का **पहनावा** भिन्न-भिन्न है।
6. एक कमीज़ की **सिलाई** चार सौ रुपए है।

(घ) उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. व्यक्ति, प्राणी, वस्तु, स्थान, भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।
2. तारे, लोहा, मिट्टी **अगणनीय** संज्ञा हैं।
3. घर, बच्चा, तालाब **गणनीय** संज्ञा हैं।
4. विशेष वस्तु, स्थान या प्राणी के नाम **व्यक्तिवाचक** संज्ञा कहलाते हैं।
5. संपूर्ण जाति, समूह या वर्ग का ज्ञान कराने वाले शब्द **जातिवाचक** संज्ञा कहलाते हैं।
6. पदार्थों के गुण-दोष, दशा, अवस्था, धर्म, क्रिया के व्यापार आदि का बोध कराने वाले शब्द **भाववाचक** संज्ञा कहलाते हैं।

(ङ) तीन-तीन व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञा शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं वाक्य प्रयोग करेंगे।

कुछ करने की बारी

(क) दिए गए अनुच्छेद में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक संज्ञा शब्द छाँटिए।

कई सौ वर्ष पुरानी बात है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु के तिरुवेण्णैनल्लूर नामक गाँव में एक धनी किसान शडैयप्पर रहते थे। एक दिन जब शडैयप्पर अपने घर से बाहर निकल रहे थे तो उन्होंने द्वार पर एक दीन-हीन बालक को खड़ा पाया। शडैयप्पर स्वभाव से दयालु और दानी प्रवृत्ति के थे। उनसे उस असहाय, निराश्रित, बालक को छोड़ते न बना और वे उसका हाथ पकड़कर उसे भीतर ले गए। शडैयप्पर को क्या मालूम था कि जिस बालक को वे आश्रय देने जा रहे हैं, वह एक दिन कंबन के नाम से तमिल के साहित्याकाश में सूर्य बनकर चमकेगा और आने वाले कवियों, विद्वानों और जनसाधारण सभी के द्वारा कवि चक्रवर्ती के रूप में सराहा जाएगा।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
दक्षिण भारत, तमिलनाडु, तिरुवेण्णैनल्लूर, शडैयप्पर, कंबन, चक्रवर्ती, तमिल, सूर्य	गाँव, किसान, घर, द्वार, बालक, हाथ, कवियों, विद्वानों	दयालु, असहाय

(ख) वर्ग-पहेली में बाएँ से दाएँ और ऊपर से नीचे व्यक्तिवाचक, जातिवाचक एवं भाववाचक संज्ञा से संबंधित 15 शब्द छिपे हैं। उन्हें रेखांकित कीजिए और उनका भेद भी लिखिए।

क	त	बि	स्त	र
म	मि	ब	स	ज़ा
ला	ल	च	क्ष	ई
न	ड़	प	शु	श्व
थ	का	न	पु	र

व्यक्तिवाचक – कान, कानपुर, कमला, तमिल

जातिवाचक – बिस्तर, बस, पशु, नथ, लड़का, रज़ाई, ईश्वर

भाववाचक – सज़ा, लालच, थकान, बचपन

7. लिंग

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वे शब्द जो स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराते हैं, लिंग कहलाते हैं।
2. लिंग के दो भेद हैं– स्त्रीलिंग तथा पुल्लिग।

   जिन शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, वे स्त्रीलिंग होते हैं। जैसे– बालिका, गायिका, शेरनी।

   जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, वे पुल्लिग होते हैं। जैसे– बालक, गायक, शेर।
3. वे शब्द जो पुरुष के लिए प्रयोग होने पर पुल्लिग तथा स्त्री के लिए प्रयोग होने पर स्त्रीलिंग होते हैं, उन्हें उभयलिंगी कहते हैं। जैसे– राष्ट्रपति, गवर्नर, मैनेजर, प्रधानमंत्री आदि।
4. अप्राणीवाचक संज्ञा शब्दों का लिंग निर्धारण उनका वाक्य में प्रयोग करके किया जाता है।

(ख) दिए गए शब्दों के लिंग बदलिए।

1. सम्राट	–	सम्राज्ञी	2. श्रीमान	–	श्रीमती
3. बालक	–	बालिका	4. विद्वान	–	विदुषी
5. कवि	–	कवयित्री	6. चौधरी	–	चौधराइन
7. दास	–	दासी	8. चूहा	–	चुहिया
9. वीर	–	वीरांगना	10. राजा	–	रानी

(ग) रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. अध्यापिका कक्षा में पढ़ा रही हैं।
2. श्रीमती आप भीतर आ जाइए।
3. अभिनेत्री अभिनय कर रही है।
4. छात्रा ने कमरे में प्रवेश किया।
5. मालिन पौधा लगा रही है।
6. उस वृद्धा की सहायता करो।

(घ) वाक्यों में आए रंगीन शब्दों के लिंग बताइए।

1. स्त्रीलिंग	2. स्त्रीलिंग	3. स्त्रीलिंग
4. स्त्रीलिंग	5. स्त्रीलिंग	6. स्त्रीलिंग
7. पुल्लिग	8. पुल्लिग	

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में लिंग संबंधी अशुद्धियों को दूर कर वाक्य फिर से लिखिए।

1. श्रीमान आप कहाँ से आ रहे हैं?
2. धोबी कपड़े धो रहा है।
3. ज़मीन में दरारें पड़नी शुरू हो गई थीं।
4. साँप बीन पर नाच रहा है।

5. मेरी बहन बुद्धिमत्ती है।

6. अध्यापिका ने पाठ पढ़ाया।

कुछ करने की बारी

दिए गए शब्दों के स्त्रीलिंग रूप से शब्द-जाल की रचना कीजिए।

1. डिब्बा
2. संयोजक
3. क्षत्रिय
4. भवदीय
5. आयुष्मान
6. बैल
7. साहब
8. आचार्य

सं	यो	जि	का		भ	डि
क्ष	त्रा	णी		गा	व	बि
सा	हि	बा		य	दी	या
आ	चा	र्या			या	
आ	यु	ष्म	ती			

8. वचन

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वे शब्द जिनसे एक या अनेक संख्या का बोध होता है, वचन कहलाते हैं।
2. जिन शब्दों से वस्तु, व्यक्ति या प्राणी के संख्या में एक होने का बोध होता है, एकवचन कहलाते हैं।

   जिन शब्दों से व्यक्ति, वस्तु या प्राणी के संख्या में एक से अधिक होने का बोध होता है, बहुवचन कहलाते हैं।
3. सदैव एकवचन में प्रयोग होने वाले शब्द हैं– ताँबा, सोना, वायु, कक्षा, मंडल, गुच्छा, प्रेम, डर, मिठास आदि।
4. बड़प्पन दिखाने के लिए 'मैं' के स्थान पर 'हम' सर्वनाम का प्रयोग करते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए।

1. कथा	कथाएँ	2. बहन	बहनें	3. दरवाज़ा	दरवाज़े
4. नदी	नदियाँ	5. टोपी	टोपियाँ	6. ऋतु	ऋतुएँ
7. माला	मालाएँ	8. स्त्री	स्त्रियाँ	9. कुटिया	कुटियाँ
10. घोड़ा	घोड़े				

(ग) दिए गए वाक्यों में वचन संबंधी अशुद्धियों को दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

1. मैं भुट्टे अवश्य खाऊँगी।
2. मेज़ पर चने बिखरे पड़े थे।
3. माँ ने अपने बेटों को बुलाया।
4. भैंसें पानी में तैर रही हैं।
5. बरसात के आते ही लोगों के छाते तन गए।
6. उसकी आँखों से आँसू बहने लगे।
7. गुरु जी आ रहे हैं।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए।

1. वृक्षों से पत्ते गिरते हैं।
2. कबूतर दाने चुग रहे हैं।
3. शिक्षक छात्रों को पढ़ा रहे हैं।
4. हम पाठ पढ़ते हैं।
5. छात्रों ने पत्थर फेंके।
6. पेड़ों पर चिड़ियाँ बैठी हैं।

(ङ) सही बहुवचन रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. **लड़के** कक्षा में पढ़ रहे हैं।
2. मेज़ पर **पुस्तकें** रखी हैं।
3. अलमारी में **धोतियाँ** रखी हैं।
4. मैंने पाँच **रोटियाँ** खाईं।

कुछ करने की बारी

वचन परिवर्तन करके कहानी को दोबारा लिखिए।

एक पेड़ पर बंदर बैठे थे। उसी समय एक नाई वहाँ आ पहुँचा। उसने पेड़ के नीचे बैठकर अपनी दाढ़ी बनाई। बाद में वह वहीं पर सो गया। पेड़ पर बैठे हुए बंदर नाई को दाढ़ी बनाते हुए देख रहे थे। वे चुपके से नीचे उतरे। उन्होंने नाई का बक्सा खोला। उन्होंने भी अपनी दाढ़ी में साबुन लगाया और उस्तरे से दाढ़ी बनाने लगे। उस्तरा चलाना तो बंदरों को आता नहीं था। इसलिए उस्तरे से उनके चेहरे पर कई घाव हो गए। उनके चेहरे लहूलुहान हो गए। खून देखकर बंदर डर गए और उस्तरा फेंककर भाग गए।

9. कारक

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध प्रकट करने वाले शब्द कारक कहलाते हैं।
2. कारक के चिह्नों को परसर्ग या विभक्ति कहते हैं।
3. कारक के आठ भेद हैं– कर्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध तथा अधिकरण कारक।
4. (क) कर्म कारक तथा संप्रदान कारक दोनों का विभक्ति चिह्न 'को' है। कर्म कारक में क्रिया का फल कर्म पर पड़ता है तथा संप्रदान कारक में किसी को कुछ देने का भाव होता है।

   (ख) करण कारक तथा अपादान कारक दोनों का विभक्ति चिह्न 'से' है। करण कारक में किसी की सहायता से कार्य संपन्न होता है तथा अपादान कारक में किसी से अलग होने का भाव होता है।

(ख) रंगीन शब्दों के कारक बताइए।

1. अपादान कारक 2. करण कारक 3. करण कारक 4. संबंध कारक
5. करण कारक 6. अधिकरण कारक 7. कर्म कारक 8. संप्रदान कारक

(ग) दिए गए वाक्यों में 'करण कारक' तथा 'अपादान कारक' पहचानिए।

1. करण कारक 2. करण कारक 3. अपादान कारक 4. अपादान कारक
5. करण कारक 6. अपादान कारक 7. अपादान कारक 8. अपादान कारक
9. अपादान कारक 10. करण कारक

(घ) दिए गए वाक्यों में 'कर्म कारक' तथा 'संप्रदान कारक' पहचानिए।

1. संप्रदान कारक 2. कर्म कारक 3. कर्म कारक
4. कर्म कारक 5. संप्रदान कारक 6. संप्रदान कारक

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में कारक की अशुद्धियों को दूर करके वाक्य को फिर से लिखिए।

1. चोर को डंडे से पीटा गया। 2. बालक कक्षा से निकलकर पेड़ पर चढ़ने लगे।
3. राम ने रावण को बाण से मारा। 4. मैंने कल बाजार से फल खरीदे।
5. मुझे किसी की आवश्यकता नहीं। 6. सुरेश छत पर खेलता है।
7. रमा ने संतोष की साँस ली। 8. उसे फोन के द्वारा सूचित कर दिया गया।

कुछ करने की बारी

उचित कारक चिह्नों के प्रयोग से कहानी पूरी कीजिए।

एक गाँव **में** दो मित्र रहते थे। दोनों **ने** निश्चय किया था कि वे संकट **के** समय एक-दूसरे **की** सहायता करेंगे। एक बार दोनों मित्र कहीं जा रहे थे। रास्ते **में** जंगल पड़ता था। वहाँ उन्हें सामने **से** एक भालू आता हुआ दिखाई दिया।

भालू **को** देखकर दोनों डर गए। एक मित्र दौड़कर पेड़ **पर** चढ़ गया। दूसरे मित्र **को** पेड़ **पर** चढ़ना नहीं आता था। कोई उपाय न देखकर वह ज़मीन **पर** मुर्दे **की** तरह लेट गया। भालू **ने** पास आकर उसको सूँघा और उसे मरा हुआ समझकर चला गया।

भालू **के** चले जाने **पर** पहला मित्र पेड़ **से** नीचे उतरा। उसने दूसरे मित्र **से** हँसकर पूछा, "भालू **ने** तुम्हारे कान में क्या कहा?" दूसरे मित्र **ने** उत्तर दिया, "भालू **ने** कहा कि स्वार्थी मित्र **से** दूर रहो।" यह सुनकर पहले मित्र **का** सिर शर्म **से** झुक गया।

10. सर्वनाम

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा शब्दों के लिए अथवा संज्ञा शब्दों के स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं।
2. सर्वनाम के छह भेद हैं– पुरुषवाचक सर्वनाम, निश्चयवाचक सर्वनाम, अनिश्चयवाचक सर्वनाम, प्रश्नवाचक सर्वनाम, संबंधवाचक सर्वनाम, निजवाचक सर्वनाम।
3. पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद हैं– उत्तम पुरुषवाचक, मध्यम पुरुषवाचक तथा अन्य पुरुषवाचक।
4. अन्य पुरुषवाचक किसी अन्य जिसके बारे में बात की जा रही हो, के लिए प्रयोग किए जाते हैं तथा निश्चयवाचक सर्वनाम किसी निश्चित व्यक्ति, वस्तु को बताने के लिए प्रयोग किए जाते हैं। जैसे–
   वह इधर आ रहा है। (अन्य पुरुषवाचक)   वह पुस्तक राधा की है। (निश्चयवाचक)
5. सर्वनाम शब्दों का प्रयोग एकवचन-बहुवचन तथा स्त्रीलिंग-पुल्लिग दोनों में होता है। सर्वनाम 'कोई' का प्रयोग मनुष्य या प्राणी के लिए होता है तथा 'कुछ' का प्रयोग वस्तुओं के लिए होता है। सर्वनाम का रूप लिंग, वचन तथा संबंध कारक के कारण परिवर्तित हो जाता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में संज्ञा की जगह सर्वनाम शब्द लिखकर वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. राहुल ने अपने मित्र को अपने घर आने के लिए आमंत्रित किया।
2. मयूर की माता जी ने उसके लिए उसकी मनपसंद सब्ज़ी बनाई।
3. दिव्या ने अपनी सहेली को अपनी पुस्तक दी।
4. राजा ने अपनी प्रजा को अपने खज़ाने से पैसे दिए।
5. भाई साहब ने अपनी अलमारी से अपने लिए कुछ अच्छे कपड़े निकलवाए।

(ग) दिए गए वाक्यों में सर्वनाम शब्द रेखांकित करके उसका भेद बताइए।

1. तुम्हारी – मध्यम पुरुषवाचक, क्या – प्रश्नवाचक
2. जो-सो – संबंधवाचक सर्वनाम
3. कोई – अनिश्चयवाचक
4. किसने – प्रश्नवाचक
5. मुझे – उत्तम पुरुषवाचक, कोई – अनिश्चयवाचक
6. तुम्हारी – मध्यम पुरुषवाचक, यह, वह – निश्चयवाचक
7. तुम, तुम्हारा – मध्यम पुरुषवाचक, मैं – उत्तम पुरुषवाचक
8. आप – अन्य पुरुषवाचक, स्वयं – निजवाचक सर्वनाम

(घ) सर्वनाम संबंधी अशुद्धियों को दूर करके वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. आपने खाना खा लिया।
2. जिस आदमी को आपने बुलाया था, वह आया है।
3. उस पुस्तक का नाम मुझे नहीं पता।

4. तुम्हारा मित्र कहाँ रहता है?
5. दूध में कुछ गिर गया है?
6. मैंने अपना गृहकार्य पूरा कर लिया है।

(ङ) दिए गए रंगीन सर्वनामों के भेद का उचित विकल्प चुनिए।

1. मैंने तुम्हें पचास रुपए दिए थे। (क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम ✓
2. वह अपने आप ही चला जाएगा। (ख) निजवाचक सर्वनाम ✓
3. तुम कल किसके साथ यहाँ आए थे। (ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम ✓
4. जो परिश्रम करेगा वह सदैव सफल होगा। (क) संबंधवाचक सर्वनाम ✓
5. तुम्हारी जेब में क्या रखा है? (ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम ✓

कुछ करने की बारी

उचित सर्वनाम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

प्रेमचंद एक महान साहित्यकार थे। **उनके** पिता का नाम मुंशी अजायबराय तथा **उनकी** माता का नाम आनंदी था। **उनका** संपूर्ण जीवन संघर्ष में बीता। **वे** पहले उर्दू में लिखते थे, बाद में **उन्होंने** हिंदी में लिखना आरंभ किया। **उनकी** रचनाओं में आदर्श एवं यथार्थ का समन्वय देखा जा सकता था। **हमें** उनके जीवन तथा साहित्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। **वे** न केवल एक महान साहित्यकार थे बल्कि **वे** एक अच्छे इंसान भी थे। **हम** उन्हें कभी नहीं भुला सकते। **उनका** साहित्य बेजोड़ है। **वे** सदैव अमर रहेंगे।

11. विशेषण

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. संज्ञा तथा सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं तथा विशेषणों की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं।
2. विशेषण के चार भेद होते हैं– गुणवाचक विशेषण, परिमाणवाचक विशेषण, संख्यावाचक विशेषण तथा संकेतवाचक या सार्वनामिक विशेषण।
3. संख्यावाचक विशेषण संज्ञा-सर्वनाम की संख्या संबंधी विशेषता बताते हैं।

   परिमाणवाचक विशेषण संज्ञा-सर्वनाम की माप-तौल, मात्रा बताते हैं।
4. विशेषण की तीन अवस्थाएँ हैं– मूलावस्था, उत्तरावस्था तथा उत्तमावस्था।

(ख) दिए गए वाक्यों में विशेषण शब्दों को रेखांकित करके उनका भेद बताइए।

1. यह – सार्वनामिक विशेषण
2. काली – गुणवाचक विशेषण
3. बूढ़ा – गुणवाचक विशेषण
4. एक क्विंटल – परिमाणवाचक विशेषण
5. सातवीं – संख्यावाचक विशेषण
6. थोड़ा – अनिश्चित परिमाणवाचक
7. कच्चे, अधिक अच्छे – गुणवाचक
8. दो किलोमीटर – संख्यावाचक

(ग) दिए गए वाक्यों में विशेषण और प्रविशेषण पहचानिए।

1. विशेषण – मोटी

   प्रविशेषण – बहुत
2. विशेषण – सुहावना

   प्रविशेषण – अत्यंत
3. विशेषण – मूर्ख

   प्रविशेषण – महा
4. विशेषण – परिश्रमी

   प्रविशेषण – बहुत
5. विशेषण – भोले

   प्रविशेषण – बड़े
6. विशेषण – चौड़ा

   प्रविशेषण – अधिक
7. विशेषण – बुद्धिमान

   प्रविशेषण – बहुत

(घ) दिए गए वाक्यों में सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण पहचानकर लिखिए।

1. सर्वनाम – वह, सार्वनामिक विशेषण – अपनी
2. सर्वनाम – कोई, सार्वनामिक विशेषण – तुम्हारे
3. सर्वनाम – तुम्हें, सार्वनामिक विशेषण – उस
4. सार्वनामिक विशेषण – तुम्हारे, सर्वनाम – मैं
5. सर्वनाम – मेरे, कौन
6. सर्वनाम – उसके, सार्वनामिक विशेषण – यह
7. सर्वनाम – तुम, सार्वनामिक विशेषण – अपनी

(ङ) दी गई तालिका को विशेषण शब्दों की तुलनात्मक अवस्थाओं से पूरा कीजिए।

1. सुंदर	सुंदरतर	सुंदरतम
2. प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
3. कठोर	कठोरतर	कठोरतम
4. उच्च	उच्चतर	उच्चतम
5. लघु	लघुतर	लघुतम

कुछ करने की बारी

निम्नलिखित विशेषणों के लिए वर्ग में से उचित संज्ञा या सर्वनाम शब्द छाँटिए।

भव्य संकरी खिली महा खट्टी कीमती

स्वादिष्ट लखनवी शैतान सच्ची पका गर्म

विशेषण	**शब्द**	**विशेषण**	**शब्द**
भव्य	महल	संकरी	गली
खिली	कलियाँ	महा	नगर
खट्टी	इमली	कीमती	कंगन
स्वादिष्ट	हलवा	लखनवी	नवाब
शैतान	लड़का	सच्ची	गवाही
पका	कटहल	गर्म	रजाइयाँ

न	ग	र	ही	म	ट
वा	वा	जा	कं	ग	न
ब	ही	इ	म	ली	क
क	लि	याँ	ह	ल	वा
क	ट	ह	ल	ड़	का

12. क्रिया

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. किसी काम का करना या होना बताने वाले शब्द क्रिया कहलाते हैं।
2. कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं– सकर्मक क्रिया तथा अकर्मक क्रिया।
   सकर्मक क्रिया – राजू साइकिल चला रहा है।
   अकर्मक क्रिया – राजू चल रहा है।
3. रचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद हैं– सामान्य क्रिया, संयुक्त क्रिया, नामधातु क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया तथा प्रेरणार्थक क्रिया।
4. जब कर्ता स्वयं कार्य करने की प्रेरणा देता है तो वह प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया कहलाती है।
   जब कर्ता स्वयं कार्य न करके किसी अन्य को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, तब क्रिया द्‌वितीय प्रेरणार्थक कहलाती है।

(ख) धातु शब्दों के उचित क्रिया रूप से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. माँ बच्चों को कहानी **सुनाती** हैं।
2. कल मामा जी घर पर **मिलने** आएँगे।
3. सुनील अपने मित्र को पत्र **लिखता** है।
4. अध्यापक विद्‌यार्थी से पाठ **पढ़वाते** हैं।

(ग) दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया को पहचानकर कर्म के आधार पर उसका भेद लिखिए।

1. अकर्मक क्रिया
2. अकर्मक क्रिया
3. सकर्मक क्रिया
4. सकर्मक क्रिया
5. सकर्मक क्रिया
6. अकर्मक क्रिया

(घ) दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया को पहचानकर रचना के आधार पर उसका भेद लिखिए।

1. प्रेरणार्थक क्रिया
2. सामान्य क्रिया
3. संयुक्त क्रिया
4. पूर्वकालिक क्रिया
5. प्रेरणार्थक क्रिया
6. संयुक्त क्रिया
7. पूर्वकालिक क्रिया
8. सामान्य क्रिया

(ङ) दिए गए शब्दों से नामधातु क्रियाएँ बनाइए।

1. लालच ललचाना
2. धिक्कार धिक्कारना
3. अपना अपनाना
4. खर्च खर्चना
5. लात लतियाना
6. खट-खट खटखटाना
7. मैं-मैं मिमियाना
8. चक्कर चकराना

(च) दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाओं के भेद पहचानिए।

1. पूर्वकालिक क्रिया
2. सकर्मक क्रिया, सामान्य क्रिया
3. संयुक्त क्रिया
4. सकर्मक क्रिया, सामान्य क्रिया
5. नामधातु क्रिया
6. सकर्मक क्रिया

कुछ करने की बारी

अपने जीवन की कोई रोचक घटना लिखिए तथा उसमें आए क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए।

विद्‌यार्थी स्वयं करें।

13. काल

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. क्रिया का वह रूप जिससे क्रिया के होने के समय का बोध होता है, काल कहलाता है। काल द्वारा पता चलता है कि क्रिया हो चुकी है, होगी या हो रही है।
2. काल के तीन भेद हैं– भूतकाल, वर्तमान काल तथा भविष्यत् काल।

   भूतकाल – क्रिया हो चुकी है। जैसे– कल बहुत वर्षा हुई।

   वर्तमान काल – क्रिया हो रही है। जैसे– वर्षा हो रही है।

   भविष्यत् काल – क्रिया होगी। जैसे– वर्षा होने वाली है।
3. भूतकाल के छह भेद हैं– सामान्य भूतकाल, अपूर्ण भूतकाल, आसन्न भूतकाल, संदिग्ध भूतकाल, पूर्ण भूतकाल, हेतुहेतुमद भूतकाल।
4. वर्तमान काल के तीन भेद हैं– सामान्य वर्तमान काल, अपूर्ण या तात्कालिक वर्तमान काल तथा संदिग्ध वर्तमान काल।

   सामान्य वर्तमान – वर्तमान काल का वह रूप जिससे क्रिया के सामान्य रूप का बोध होता है। जैसे– वर्षा होती है।

   अपूर्ण या तात्कालिक वर्तमान – वर्तमान काल का वह रूप जिसमें क्रिया के सतत् रूप से चलते रहने का बोध होता है। जैसे– वर्षा हो रही है।

   संदिग्ध वर्तमान काल – वर्तमान काल का वह रूप जिसमें क्रिया के होने में संदेह हो। जैसे– वर्षा हो रही होगी।
5. भविष्यत् काल के तीन भेद हैं– सामान्य भविष्यत् काल, संभाव्य भविष्यत् काल तथा हेतुहेतुमद भविष्यत् काल।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाओं को रेखांकित करके उनके काल बताइए।

1. वरुण स्टेशन चला गया है।	आसन्न भूतकाल
2. फ़सल कट रही होगी।	संदिग्ध वर्तमान काल
3. मेहनत करते तो सफलता मिलती।	हेतुहेतुमद भूतकाल
4. फूल खिल रहे थे।	अपूर्ण भूतकाल
5. वह विदेश जा रहा है।	अपूर्ण या तात्कालिक वर्तमान काल
6. हो सकता है शाम को वर्षा हो।	संभाव्य भविष्यत् काल

(ग) नीचे दिए काल के भेदों के दो-दो वाक्य लिखिए।

1. संभाव्य भविष्यत् काल	हो सकता है कल मैं दिल्ली जाऊँ।
2. अपूर्ण भूतकाल	रमेश दिल्ली जा रहा था।
3. सामान्य वर्तमान काल	माँ भोजन बनाती हैं।
4. संदिग्ध भूतकाल	वह दिल्ली से आ गया होगा।

5. संदिग्ध वर्तमान काल — वह दिल्ली से आ रहा होगा।

6. अपूर्ण वर्तमान काल — वह दिल्ली से आ रहा है।

दूसरा वाक्य छात्र स्वयं बनाएँ।

(घ) कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार क्रियाओं के काल बदलकर वाक्य दोबारा लिखिए।

1. विजय बाबू समाचारपत्र पढ़ रहे हैं। (वर्तमान काल)
   विजय बाबू समाचारपत्र पढ़ेंगे। (भविष्यत् काल)
2. उसने यासुकीचान को अपने पेड़ पर चढ़ने का न्योता दिया है। (वर्तमान काल)
   वह यासुकीचान को अपने पेड़ पर चढ़ने का न्योता देगा। (भविष्यत् काल)
3. मैंने तुझे सोने से मढ़कर तेरे मूल्य को चमका दिया। (भूतकाल)
   मैं तुझे सोने से मढ़कर तेरे मूल्य को चमका रहा हूँ। (वर्तमान काल)
4. उसे मालूम था कि दुकानदार उसके इंतज़ार में था। (भूतकाल)
   उसे मालूम है कि दुकानदार उसके इंतज़ार में होगा। (भविष्यत् काल)

(ङ) उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. जब बीते हुए समय में कार्य के होने का बोध हो तो उसे **भूतकाल** कहते हैं।
2. भविष्यत् काल में कार्य के होने की संभावना का बोध हो तो उसे **संभाव्य भविष्यत् काल** कहते हैं।
3. भूतकाल में क्रिया के पूर्ण होने का बोध हो तो उसे **पूर्ण भूतकाल** कहते हैं।

कुछ करने की बारी

अपने जीवन की किसी घटना का वर्णन भूतकाल में करके क्रिया शब्दों को रेखांकित कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

14. वाच्य

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वाच्य के तीन भेद हैं– कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य।
2. कर्तृवाच्य से कर्मवाच्य बनाते समय कर्ता के साथ वाक्य में 'से / के द्वारा' परसर्ग लगाया जाता है। कर्म के साथ कोई परसर्ग हो तो वह हटा दिया जाता है। मुख्य क्रिया का रूप सामान्य भूतकाल के रूप में बदल दिया जाता है। क्रिया की धातु में 'या / ता' जोड़ दिया जाता है तथा 'जा' धातु का कर्म लिंग, वचन के अनुसार प्रयोग किया जाता है।
3. कर्तृवाच्य से भाववाच्य बनाते समय कर्ता के साथ 'से / के द्वारा' परसर्ग का प्रयोग किया जाता है। क्रिया पुल्लिंग, अन्य पुरुष तथा एकवचन में रहती है। क्रिया को सामान्य भूतकाल में बदला जाता है तथा 'जाना' क्रिया का रूप जोड़ा जाता है।

(ख) दिए गए कथनों के सामने सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए।

1. वाच्य क्रिया का ही एक रूप है। ✓
2. कर्तृवाच्य में क्रिया कर्ता का अनुसरण करती है। ✓
3. कर्मवाच्य में क्रिया अकर्मक तथा सकर्मक दोनों तरह की होती है। ✗
4. भाववाच्य में क्रिया सदा अकर्मक होती है। ✓
5. भाववाच्य में क्रिया अकर्मक एवं सकर्मक दोनों होती हैं। ✗

(ग) दिए गए वाक्यों में से कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य तथा भाववाच्य छाँटिए।

1. कर्मवाच्य
2. कर्तृवाच्य
3. भाववाच्य
4. कर्तृवाच्य
5. कर्मवाच्य
6. भाववाच्य
7. कर्तृवाच्य

(घ) दिए गए वाक्यों का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए।

1. नौकरानी से बर्तन माँजे जा रहे हैं।
2. राघव से सोया नहीं जाता।
3. विजया कविता लिखती है।
4. पक्षियों से उड़ा जाता है।
5. छात्र चुप नहीं बैठ सकते।
6. मेरे द्वारा आपको पत्र भेजा गया था।
7. अब मुझसे चला नहीं जाता।
8. भावना द्वारा दरवाज़ा बंद कर दिया गया।

(ङ) निर्देशानुसार वाच्य का उचित विकल्प चुनिए।

1. कर्तृवाच्य (क) पक्षी पेड़ पर घोंसला बना रहा है। ✓
2. कर्मवाच्य (ग) मालती से पुस्तक पढ़ी जाती है। ✓
3. भाववाच्य (क) अब तो सहा नहीं जाता। ✓
4. कर्मवाच्य (क) रमा से पानी भरा जा रहा है। ✓

कुछ करने की बारी

दिए गए चित्रों से संबंधित वाक्य बनाइए तथा उसी वाक्य को वाच्य के तीनों रूपों में परिवर्तित कीजिए।

छात्र स्वयं वाक्य बनाएँगे।

15. अविकारी शब्द (अव्यय)

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वे अव्यय जो क्रिया की विशेषता बताते हैं, क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
2. विशेषण संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताते हैं तथा क्रियाविशेषण क्रिया शब्दों की विशेषता बताते हैं। क्रियाविशेषण द्वारा पता चलता है कि क्रिया कब, कितनी, कैसे तथा कहाँ हुई।
3. संबंधबोधक अव्यय के बारह भेद हैं– कालवाचक, स्थानवाचक, दिशावाचक, साधनवाचक, विरोधवाचक, समतावाचक, सहचरसूचक, संगसूचक, संग्रहवाचक, पृथकतावाचक, विनिमयवाचक, तुलनावाचक।
4. एक-सी स्थिति या समानता वाले दो से अधिक मुख्य शब्दों, उपवाक्यों या वाक्यों को जोड़ने वाले अव्यय समानाधिकरण समुच्चयबोधक होते हैं तथा जो समुच्चयबोधक शब्द एक प्रधान उपवाक्य में एक या एक से अधिक आश्रित उपवाक्यों को जोड़ते हैं, व्यधिकरण समुच्चयबोधक कहलाते हैं।
5. समानाधिकरण अव्यय के चार भेद हैं– संयोजक, विभाजक, विरोधबोधक तथा परिणामबोधक।
6. विस्मयादिबोधक अव्यय के भेद हैं– हर्षबोधक, शोकबोधक, विस्मयबोधक, स्वीकृतिबोधक, तिरस्कारबोधक, आशीर्वादबोधक, चेतावनीबोधक, भयबोधक, संबोधनबोधक।
7. निपात का प्रयोग वाक्य में किसी अंश पर विशेष बल देने के लिए किया जाता है। निपात का प्रयोग वाक्य के अर्थ को प्रभावित करता है तथा इसके प्रयोग से भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण रेखांकित करके उसके भेद लिखिए।

1. मैं <u>चुपके से</u> घर के बाहर निकल गया।	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
2. सब बच्चे <u>आगे</u> चल रहे थे।	स्थानवाचक क्रियाविशेषण
3. खिलौना टूटने पर वह <u>बहुत</u> रोया।	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
4. रामदीन <u>सुबह-सुबह</u> तुम कहाँ जा रहे हो?	कालवाचक क्रियाविशेषण
5. आप यहाँ <u>अचानक</u> कैसे आए?	रीतिवाचक क्रियाविशेषण
6. मैं मामा जी से मिलने <u>कल</u> जाऊँगा।	कालवाचक क्रियाविशेषण
7. गुड्डू <u>थोड़ा-थोड़ा</u> बोलने लगा है।	परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
8. महेश बड़ों की बात <u>ध्यानपूर्वक</u> सुनता है।	रीतिवाचक क्रियाविशेषण

(ग) दिए गए वाक्यों में विशेषण और क्रियाविशेषण छाँटिए।

1. दस, पर्याप्त – विशेषण
2. यह – विशेषण, निरंतर - क्रियाविशेषण
3. शीघ्र – क्रियाविशेषण
4. योग्य – विशेषण
5. पूर्ण – विशेषण, अब – क्रियाविशेषण
6. किधर – क्रियाविशेषण

(घ) दिए गए वाक्यों में संबंधबोधक अव्यय छाँटिए।

1. की अपेक्षा
2. के हेतु
3. के नीचे
4. योग्य
5. सिवा
6. के स्थान

(ङ) दिए गए वाक्यों में क्रियाविशेषण तथा संबंधबोधक छाँटिए।

1. के साथ – संबंधबोधक
2. के साथ वाले – संबंधबोधक
3. की भाँति – संबंधबोधक
4. ऊँचा – क्रियाविशेषण
5. चुपके से – क्रियाविशेषण
6. मीठा – क्रियाविशेषण

(च) दिए गए वाक्यों में से समुच्चयबोधक अव्यय छाँटकर उसका भेद लिखिए।

1. अपितु – व्यधिकरण समुच्चयबोधक
2. बल्कि – व्यधिकरण समुच्चयबोधक
3. अथवा – समानाधिकरण समुच्चयबोधक
4. यदि तो – व्यधिकरण समुच्चयबोधक
5. और – समानाधिकरण समुच्चयबोधक
6. वरन् – व्यधिकरण समुच्चयबोधक

(छ) उचित विस्मयादिबोधक चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. **अरे!** चलो, रुक क्यों गए?
2. **उफ़!** सिर में बहुत दर्द है।
3. **खबरदार!** यहीं रुक जाओ। आगे मत बढ़ो।
4. **छि:!** कितनी गंदगी है चारों ओर!
5. **शाबाश!** तुमने प्रतियोगिता में पहला स्थान पा लिया।

(ज) दिए गए वाक्यों में उचित निपात भरिए।

1. वह तुम्हें **ही** क्यों बुला रहा है?
2. वह तो यूँ **ही** चिल्लाने लगा जबकि मैंने **तो** उसे छुआ नहीं।
3. कैसे **भी** करो, मुझे कल **ही** जाना है।
4. मैंने दिन **भर** उसकी राह देखी, मगर वह आया **ही** नहीं।
5. वह **भी** बुला रहा था परंतु मुझे **ही** नहीं जाना था।
6. आपने **ही** मेरा उद्धार **भी** कर दिया।

कुछ करने की बारी

अपनी कक्षा में चारों ओर देखिए। आस-पास घट रही सभी क्रियाओं को एक-एक क्रियाविशेषण लगाकर कम से कम दस वाक्य लिखिए तथा क्रियाविशेषण शब्दों को रेखांकित कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

16. संधि

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. दो वर्णों के परस्पर मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे संधि कहते हैं।
2. संधि तीन प्रकार की होती है– स्वर संधि, व्यंजन संधि तथा विसर्ग संधि।
3. स्वर संधि के पाँच भेद हैं–

   1. दीर्घ संधि – वेद + अंत = वेदांत
   2. गुण संधि – सुर + इंद्र = सुरेंद्र
   3. वृद्धि संधि – सदा + एव = सदैव
   4. यण संधि – अति + अंत = अत्यंत
   5. अयादि संधि – ने + अन = नयन

4. स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

   व्यंजन का स्वर से, स्वर का व्यंजन से तथा व्यंजन का व्यंजन से मेल होने पर जो विकार होता है, उसे व्यंजन संधि कहते हैं।

(ख) दिए गए शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए।

1.	ज्ञानोपदेश	–	ज्ञान	+ उपदेश	2.	सच्चरित्र	–	सत्	+ चरित्र
3.	निर्धन	–	निः	+ धन	4.	नीरज	–	निः	+ रज
5.	दिगंबर	–	दिक्	+ अंबर	6.	विद्यालय	–	विद्या	+ आलय
7.	सद्भावना	–	सत्	+ भावना	8.	तपोवन	–	तपः	+ वन

(ग) दिए गए शब्दों में संधि कीजिए।

1.	तत्	+ मय	–	तन्मय	2.	निः	+ चय	–	निश्चय
3.	मातृ	+ आदेश	–	मात्रादेश	4.	वाक्	+ ईश	–	वागीश
5.	सम्	+ कल्प	–	संकल्प	6.	तत्	+ छाया	–	तच्छाया
7.	पयः	+ द	–	पयोद	8.	निः	+ प्राण	–	निष्प्राण
9.	दुः	+ बल	–	दुर्बल	10.	महा	+ उत्सव	–	महोत्सव

(घ) दिए गए शब्दों के लिए उचित संधि-विच्छेद चुनिए।

1. पुरुषार्थ (क) पुरुष + अर्थ ✓
2. देवालय (क) देव + आलय ✓
3. महोपकार (ख) महा + उपकार ✓
4. स्वल्प (ख) सु + अल्प ✓

कुछ करने की बारी

दिए गए शब्दों में संधि करके उन शब्दों को शब्द-जाल में ढूँढ़िए।

1. देव + आलय
2. यथा + इच्छा
3. वेद + अंत
4. गण + ईश
5. भौ + अक
6. राजा + ईश
7. नदी + अर्पण
8. निः + रज

दे	क	रा	त	भा	वु	क
वा	ठ	जे	ग	घ	न	च
ल	ट	श	णे	थ	द	य
य	झ	वे	श	ड	या	थे
ख	ग	ढ	दां	त्र	र्प	च्छा
नी	र	ज	ण	त	ण	र

17. समास

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. दो या दो से अधिक परस्पर संबंध रखने वाले शब्दों के मेल को समास कहते हैं।
2. समास के छह भेद हैं– अव्ययीभाव, तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु, द्वंद्व, बहुव्रीहि समास।
3. कर्मधारय समास विशेषण और विशेष्य, उपमान और उपमेय में होता है। बहुव्रीहि समास में समस्तपदों को छोड़कर अन्य तीसरा अर्थ प्रधान होता है।
4. संधि दो वर्णों या दो अक्षरों के मेल को कहते हैं। समास दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को कहते हैं। संधि में अक्षरों का रूप बदल जाता है जबकि समास में शब्दों का रूप नहीं बदलता। संधि में कभी विसर्गों का लोप होता है जबकि समास में विभक्ति का लोप होता है।

(ख) दिए गए समस्तपद का विग्रह करके समास का भेद बताइए।

1.	हवनसामग्री	हवन के लिए सामग्री	तत्पुरुष समास
2.	भयभीत	भय से भीत	तत्पुरुष समास
3.	कालीमिर्च	काली है जो मिर्च	कर्मधारय समास
4.	चौमासा	चार मासों का समूह	द्विगु समास
5.	दशानन	दस आनन हैं जिसके	बहुव्रीहि समास
6.	हर घड़ी	घड़ी-घड़ी	अव्ययीभाव समास

(ग) दिए गए समस्तपदों का उचित समास-विग्रह कीजिए।

1.	जन्मांध	जन्म से अंधा	–	अव्ययीभाव
2.	राष्ट्रपति	राष्ट्र का पति	–	तत्पुरुष समास
3.	चक्रधर	चक्र धारण किया है जिसने (विष्णु)	–	बहुव्रीहि समास
4.	नवरत्न	नौ रत्नों का समाहार	–	द्विगु समास
5.	शोकमग्न	शोक में मग्न	–	तत्पुरुष समास
6.	पाप-पुण्य	पाप और पुण्य	–	द्वंद्व समास
7.	पंचानन	पाँच आनन हैं जिसके	–	बहुव्रीहि समास
8.	यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	–	अव्ययीभाव
9.	घुड़दौड़	घोड़ों की दौड़	–	तत्पुरुष समास
10.	सप्ताह	सात दिनों का समूह	–	द्विगु समास

(घ) दिए गए समस्तपदों के विग्रह और भेद का सही विकल्प चुनिए।

1. नीलकंठ (ग) नीला है कंठ जिसका – बहुव्रीहि ✓
2. आज्ञानुसार (क) आज्ञा के अनुसार – अव्ययीभाव ✓
3. घुड़सवार (क) घोड़े पर सवार – तत्पुरुष ✓

4. दिन-रात (क) दिन और रात – द्वंद्व ✓
5. महापुरुष (क) महान है जो पुरुष – कर्मधारय ✓

कुछ करने की बारी

दिए गए समस्तपदों का प्रयोग करते हुए सौ शब्दों में एक कहानी लिखिए तथा समस्तपदों को रेखांकित करके उनका भेद बताइए।

जन्मरोगी	घुड़सवार	यथासंभव	प्रतिक्षण	विद्याधन	आत्मविश्वास	व्यवहारकुशल
महात्मा	राजकन्या	आपबीती	मार्गव्यय	हथकड़ी	भरपेट	राजपुत्र

विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

18. पद-परिचय

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. वाक्य में प्रयुक्त पदों को अलग-अलग करके प्रत्येक पद का व्याकरणिक परिचय देना, पद-परिचय कहलाता है।
2. शब्द एक स्वतंत्र इकाई है। लेकिन शब्द जब किसी वाक्य में प्रयुक्त होता है तब वह पद बन जाता है। जैसे– (कमल) शब्द

   जल में कमल खिला है।– (वाक्य में 'कमल' पद है।)
3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए।

   (क) राम – व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक, 'खा रहा है' क्रिया का कर्ता।

   खाना – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक, 'खा रहा है' क्रिया का कर्म।

   खा रहा है – सकर्मक क्रिया, कर्तृवाच्य, पुल्लिग, एकवचन, अपूर्ण वर्तमानकाल, कर्तरि प्रयोग, निश्चयार्थक।

   (ख) वह – अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ताकारक, 'जाएगा' क्रिया का कर्ता।

   बाज़ार – जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्मकारक, 'जाएगा' क्रिया का कर्म।

   जाएगा – अकर्मक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, सामान्य भविष्यत् काल, कर्तरि प्रयोग।

   (ग) छिः – घृणाबोधक अव्यय।

   गंदगी – भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'है' क्रिया का कर्म।

   (घ) और – संयोजक, समानाधिकरण समुच्चयबोधक, 'रवि और राहुल' संज्ञा को मिलाता है।

   मित्र – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, 'हैं', क्रिया का पूरक।

   (ङ) राजा – जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्ताकारक, 'दिया' क्रिया का कर्ता।

   भिखारी – जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक।

   (च) रोज़ सवेरे – कालवाचक क्रियाविशेषण, 'उठता है' क्रिया की विशेषता बताता है।

   (छ) रात भर – कालवाचक क्रियाविशेषण, 'पढ़ता रहा' क्रिया की विशेषता बताता है।

   (ज) काला – गुणवाचक विशेषण, पुल्लिग, एकवचन, 'घोड़ा' विशेष्य का विशेषण।

   तेज़ – रीतिवाचक क्रियाविशेषण, 'दौड़ता है', क्रिया की विशेषता बताता है।

कुछ करने की बारी

अव्यय के सभी भेदों से संबंधित वाक्य बनाकर उनका पद-परिचय देते हुए एक चार्ट तैयार कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

19. पदबंध

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरणिक इकाई का कार्य करते हैं, तब उस बँधी हुई इकाई को पदबंध कहते हैं।
2. पदबंध के मुख्यत: पाँच भेद हैं– संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध, क्रियाविशेषण पदबंध।
3. एक से अधिक क्रिया पद मिलकर क्रिया का काम करने वाली एक भाषिक इकाई का निर्माण करते हैं तो वह भाषिक इकाई क्रिया पदबंध कहलाती है। जबकि क्रिया की विशेषता बताने वाले पदों का समूह क्रियाविशेषण पदबंध होता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में पदबंध रेखांकित कीजिए और उसका भेद बताइए।

1. नदी कल-कल करती हुई बह रही है। – क्रियाविशेषण पदबंध
2. विद्‌यार्थी पढ़कर सो गया। – क्रिया पदबंध
3. अस्पताल के चारों ओर कड़ी सुरक्षा है। – क्रियाविशेषण पदबंध
4. मकान के सामने लगा पेड़ कल टूट गया। – संज्ञा पदबंध
5. मेरा मुंबई में रहने वाला मित्र कल आएगा। – संज्ञा पदबंध
6. तकदीर का मारा मैं कहाँ आ पहुँचा। – सर्वनाम पदबंध

(ग) रंगीन पदबंध का भेद बताइए।

1. संज्ञा पदबंध	2. क्रिया पदबंध	3. संज्ञा पदबंध
4. विशेषण पदबंध	5. संज्ञा पदबंध	6. क्रियाविशेषण पदबंध

(घ) दिए गए शब्दों के साथ भिन्न-भिन्न शब्द समूह जोड़कर पदबंधों का निर्माण कीजिए।

(क) मकान – मज़बूत दिखने वाला मकान गिर गया।
मकान के चारों ओर हरे-भरे पेड़ हैं।
उछलता-कूदता बंदर मकान की छत पर बैठ गया।

(ख) पुस्तक – आकर्षक चित्रों वाली पुस्तक मुझे मिल ही गई।
रंग-बिरंगे चित्रों से सजी पुस्तक बच्चों को पसंद आई।
पुस्तक के कई पृष्ठ फटे हुए थे।

(ग) मैं – हमेशा मुसकराने वाला मैं आज उदास हूँ।
मैं तेज़ी से दौड़ लगाता हुआ वहाँ से निकला।
मैं धीरे-धीरे बड़बड़ाता हुआ जा रहा था।

(घ) तुम – सबकी ओर से बोलने वाले तुम आज चुप हो।
तुम पहले की अपेक्षा अधिक समझदार हो गए हो।
तुम गाना सुनने-सुनते सो गए।

(ङ) नृत्य – नृत्य करने वाली लड़की कौन है?
वह दिनभर नृत्य करती रही।
मैं धीरे-धीरे नृत्य करने लगा।

(च) सबसे छोटा – उस सबसे छोटे बालक को बुलाओ।
सबसे छोटी लड़की ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी।
नीली फ्रॉक वाली सबसे छोटी बच्ची नाच रही है।

(छ) हमेशा – हमेशा सच बोलने वाला ही कामयाब होता है।
हमेशा की तरह वह आज भी देर से आया है।
हमेशा दूसरों की मदद करने वाला वह कौन है?

(ज) काले – वह काले बालों वाला लड़का मेरा भाई है।
काले कुरते वाली लड़की नाच रही है।
काले घोड़े पर बैठा आदमी कौन है?

कुछ करने की बारी

क्रिया पदबंध और क्रियाविशेषण पदबंध के वाक्य बनाकर एक चार्ट तैयार कीजिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

20. वाक्य विचार और परिवर्तन

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. सार्थक शब्दों का व्यवस्थित समूह, जो एक पूर्ण अर्थ प्रकट करे, वाक्य कहलाता है।
2. वाक्य में जिसके बारे में कुछ कहा जाए, उसे वाक्य का उद्देश्य कहते हैं। वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे वाक्य का विधेय कहते हैं।
3. अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ भेद होते हैं– विधानवाचक वाक्य, निषेधवाचक वाक्य, प्रश्नवाचक वाक्य, आज्ञावाचक वाक्य, इच्छावाचक वाक्य, संदेहवाचक वाक्य, संकेतवाचक वाक्य, विस्मयादिवाचक वाक्य।
4. वे वाक्य जिनमें एक ही विधेय या एक ही क्रिया होती है, सरल वाक्य होते हैं।

   वे वाक्य जिनमें दो या दो से अधिक साधारण वाक्य किसी समुच्चयबोधक अव्यय से जुड़े हों, संयुक्त वाक्य कहलाते हैं।
5. एक प्रकार के वाक्य का दूसरे प्रकार के वाक्य में परिवर्तन करना ही वाक्य-परिवर्तन कहलाता है।
6. अर्थ की दृष्टि से वाक्य-परिवर्तन करने के कुछ नियम हैं–
   1. निषेधवाचक वाक्यों का रूपांतरण करते समय न, नहीं, मत अव्ययों का प्रयोग करना चाहिए।
   2. आज्ञावाचक वाक्यों में आज्ञा, अनुमति, निवेदन आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए।
   3. प्रश्नवाचक वाक्यों का रूपांतर करते समय क्या, कौन, कब, कहाँ आदि अव्ययों का यथास्थान प्रयोग करना चाहिए।
   4. इच्छावाचक वाक्यों में परिवर्तित करते समय इच्छा, चाहना, आशा, शुभकामना आदि भावों को अभिव्यक्त करना चाहिए।
   5. संकेतवाचक वाक्य के प्रारंभ में यदि, अगर आदि शब्दों का प्रयोग करना चाहिए।

(ख) दिए गए वाक्यों में से उद्देश्य तथा विधेय अलग कीजिए।

1. उद्देश्य – मोहन	विधेय – ने अपने मित्र को पुस्तक दी।
2. उद्देश्य – पापा	विधेय – के आते ही सभी शांत हो गए।
3. उद्देश्य – श्वेता	विधेय – आज बीमार है।
4. उद्देश्य – पड़ोसी जगतसिंह जी	विधेय – कल विदेश जा रहे हैं।
5. उद्देश्य – अलमारी पर रखी काली अटैची	विधेय – उतारकर लाओ।
6. उद्देश्य – अध्यापिका	विधेय – बच्चों को पढ़ा रही हैं।

(ग) दिए गए वाक्यों के अर्थ के आधार पर भेद बताइए।

1. आज्ञावाचक	2. निषेधवाचक	3. विधानवाचक
4. प्रश्नवाचक	5. इच्छावाचक	6. संदेहवाचक

(घ) निर्देशानुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए।

1. परिश्रमी व्यक्ति अच्छे लगते हैं।
2. वह अपराधी था और उसे सज़ा मिली।

3. कृपया सभी यहाँ आएँ और सुनें।
4. वह घर जाकर बीमार हो गया।
5. जब बाढ़ आई तब गाँव में तबाही मच गई।
6. गरजने वाले बादल बरसते नहीं।
7. आप कुर्सी पर बैठें और बातें करें।

(ङ) दिए गए वाक्यों को अर्थ की दृष्टि से आठों भेदों में परिवर्तित कीजिए।

1. वह बाज़ार जाएगा। (विधानवाचक) वह बाज़ार नहीं जाएगा। (निषेधवाचक)
   क्या वह बाज़ार जाएगा? (प्रश्नवाचक) बाज़ार जाओ। (आज्ञावाचक)
   शायद वह बाज़ार जाए। (संदेहवाचक) यदि बाज़ार खुला तो वह जाएगा। (संकेतवाचक)
   काश! वह बाज़ार जाए। (इच्छावाचक) क्या! वह बाज़ार जाएगा। (विस्मयवाचक)
2. मैं खाना खा रहा हूँ।
3. बारिश हो रही है।
4. नदी बह रही है।

   2, 3, 4 शेष वाक्य छात्र स्वयं बनाएँ।

(च) दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

1. शेर को देखकर मेरे प्राण सूख गए।
2. वहाँ अनेक लोग जमा थे।
3. बच्चों से कहो कि वे सड़क पर न खेलें।
4. मुझे यह पुस्तक पढ़नी है।
5. मेरी सहेली कह रही थी।
6. हम अपने मित्र से मिलने जाएँगे।
7. हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए।
8. हम नेता के विचार से सहमत नहीं हैं।
9. ये किताबें उसने मुझे दी थीं।
10. पानी में कुछ गिर गया।

कुछ करने की बारी

कहानी में आए अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके दोबारा लिखिए।

एक बिल्ली थी। एक दिन उसे रास्ते में एक रोटी मिली। तभी वहीं से एक दूसरी बिल्ली भी गुज़री। उसकी नज़र भी रोटी पर पड़ी। दोनों बिल्लियाँ रोटी पर झपटीं और रोटी को अपनी तरफ़ खींचने लगीं। रोटी के दो टुकड़े हो गए। एक टुकड़ा बड़ा हुआ और एक छोटा। दोनों बिल्लियाँ बड़ा टुकड़ा लेना चाहती थीं। इस बात पर दोनों में झगड़ा हो गया। इतने में एक बंदर घूमता-घूमता वहाँ पहुँच गया। दोनों बिल्लियों ने फैसला किया कि बंदर की मदद से झगड़ा सुलझा लें। बंदर भी उनकी बात मान गया। उसने सबसे पहले रोटी के दोनों टुकड़े देखे और फिर बड़े टुकड़े में से एक कौर खा लिया। अब दूसरा टुकड़ा बड़ा हो गया और पहला छोटा। उसने फिर दूसरे टुकड़े में से कुछ रोटी खा ली। इस तरह दोनों टुकड़ों को बराबर करता-करता वह पूरी रोटी खा गया और दोनों बिल्लियाँ देखती रह गईं।

21. अलंकार

अभ्यास

1. काव्य की शोभा बढ़ाने वाले शब्दों को अलंकार कहते हैं।
2. **अपनी पाठ्यपुस्तक में से निम्नलिखित अलंकारों का एक-एक उदाहरण छाँटकर लिखिए–**

अनुप्रास अलंकार	–	तरनि तनुजा तट तमाल तरुवर बहु छाए। ('त' वर्ण की आवृत्ति)
यमक अलंकार	–	काली घटा का घमंड घटा।
श्लेष अलंकार	–	मधुबन की छाती को देखो, सूखी कितनी इसकी कलियाँ।
उपमा	–	लाल किरण-सी चोंच खोल।
रूपक	–	चरण कमल बंदौ हरि राई।
अतिशयोक्ति	–	हनुमान की पूँछ में, लगन न पाई आग। लंका सिगरी जल गई, गए निशाचर भाग।
मानवीकरण	–	फूल हँसे कलियाँ मुसकाई।

3. **निम्नलिखित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचानकर उनका नाम लिखिए।**

(क) अनुप्रास अलंकार	(ख) उपमा अलंकार	(ग) रूपक अलंकार
(घ) रूपक अलंकार	(ङ) मानवीकरण अलंकार	(च) मानवीकरण अलंकार
(छ) अतिशयोक्ति अलंकार	(ज) रूपक अलंकार	(झ) अनुप्रास अलंकार
(ञ) उपमा अलंकार	(ट) श्लेष अलंकार	(ठ) रूपक अलंकार

कुछ करने की बारी

हिंदी की कोई प्रसिद्ध कविता पढ़िए तथा उसमें निहित अलंकारों को छाँटिए।

विद्यार्थी स्वयं करें।

22. विराम-चिह्न

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. अपने भावों को अभिव्यक्त करने, वाक्य में कहीं रुकने, कहीं बल देने आदि को प्रकट करने के लिए लिखित भाषा में कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।
2. सही अभिव्यक्ति के लिए तथा वाक्य के उचित अर्थ को समझने के लिए भाषा में विराम-चिह्न बहुत महत्त्वपूर्ण हैं।
3. जब वाक्य में पूर्ण विराम की अपेक्षा कम देर रुकना होता है, वहाँ अर्धविराम लगाया जाता है तथा बोलते-लिखते समय जब बहुत थोड़ी देर रुकना हो तो अल्प विराम का प्रयोग होता है।
4. प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग प्रश्न पूछने के साथ अनिश्चय या संदेह प्रकट करने के लिए किया जाता है।

(ख) दिए गए वाक्यों में उचित विराम-चिह्न लगाइए।

1. ग्राहक ने कहा, "क्यों भाई सब्ज़ीवाले आलू क्या भाव दे रहे हो?"
2. राहुल – मित्र! क्या कल तुमने सोनी चैनल पर सी॰आई॰डी॰ धारावाहिक देखा था?
3. इसके अतिरिक्त अपने स्कूल की विज्ञान तथा कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ, नृत्य-संगीत कक्ष, संगोष्ठी-कक्ष, दृश्य-श्रव्य सभागार से भी मैं परिचित हो चुकी हूँ।
4. मित्र! सृष्टि का यही नियम है। गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है, "जातस्य ही ध्रुवो मृत्युः।" इस नियम के समक्ष मनुष्य असहाय है।
5. मैं इस पत्र के साथ अपनी एक कविता जिसका शीर्षक है– 'साक्षरता का वरदान' संलग्न कर रहा हूँ।
6. जिस प्रकार बेटा बचपन में माँ पर पूरी तरह निर्भर होता है; बिना माँ के वह रोने लगता है। उसी प्रकार मानव भी सदा से प्रकृति से ही अपनी सारी आवश्यकताएँ पूरी करता रहा है।
7. इस दिन से जो राग-रंग प्रारंभ होता है, उसकी पूर्णाहुति होती है होली के दिन।
8. मेरे कगारों पर उगे पेड़-पौधे, कंटीली झाड़ियाँ, रंग-बिरंगे फूलों का सौंदर्य किसका मन नहीं मोह लेता।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में से सही विराम-चिह्न वाले वाक्यों को चुनिए।

1. (क) जो पत्र आज आया है, कहाँ है? ✓
2. (क) "अरे! जल्दी उठो, आग लग गई, आग।" ✓
3. (क) वे बोले– ''वत्स! यहाँ आओ।" ✓
4. (क) "वाह! पुजारी जी, बड़ा सुंदर स्थान है।" ✓

कुछ करने की बारी

दी गई पंक्तियों में उचित विराम-चिह्न लगाकर उन्हें दोबारा लिखिए।

एक बार सभी देवताओं में विवाद हुआ कि हम सब में सर्वश्रेष्ठ कौन है तथा किसकी पूजा सबसे पहले होनी चाहिए? सभी देव आपस में इस विषय को लेकर विवाद करने लगे। अंत में सभी ने विष्णु जी के पास जाकर अपनी शंका का समाधान पाना चाहा। वे सभी विष्णु जी के पास पहुँचे और बोले, "देवों के देव आप ही बताइए कि हम सबमें श्रेष्ठ कौन है? किसकी पूजा सबसे पहले होनी चाहिए।" देवताओं की बात सुनकर विष्णु जी बोले, "अब मैं तुम सबकी परीक्षा लेता हूँ, जो इस परीक्षा में प्रथम आएगा उसी की पूजा सबसे पहले होगी।" ऐसा कह विष्णु जी ने सभी को पूरी पृथ्वी का भ्रमण कर वापस लौटने के लिए कहा। जो पूरी पृथ्वी की परिक्रमा कर सबसे पहले वापस लौटेगा वही सबमें श्रेष्ठ होगा।

23. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप में दीजिए।

1. ऐसे वाक्यांश जो सामान्य से भिन्न किसी विलक्षण अर्थ की प्रतीति कराएँ और सामान्य अर्थ से भिन्न किसी अन्य अर्थ में रूढ़ हो जाएँ, मुहावरे कहलाते हैं।
2. मुहावरों के प्रयोग से भाषा प्रभावशाली, सुंदर तथा आकर्षक बन जाती है। मुहावरों के माध्यम से भाषा में कम से कम शब्दों के प्रयोग से अधिकाधिक भावों की अभिव्यक्ति होती है।
3. लोक अनुभव पर आधारित तथा लोक में प्रचलित उक्ति लोकोक्ति कहलाती है।
4. लोकोक्तियाँ पूर्ण वाक्य या उपवाक्य होती हैं। इनका कभी सामान्य तथा कभी सांकेतिक अर्थ ग्रहण किया जाता है। ये स्वतंत्र रूप से प्रयोग की जाती हैं। इनमें क्रिया का होना या न होना आवश्यक नहीं होता।

(ख) दिए गए मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. आँखें फेर लेना – उदासीन होना
2. ठोकर खाना – हानि उठाना
3. ईमान बेचना – बेईमान होना
4. खून सूखना – डर जाना
5. गड़े मुर्दे उखाड़ना – पुरानी बात करना
6. घड़ों पानी पड़ना – लज्जित होना
7. छाती पर साँप लोटना– ईर्ष्या करना
8. चेहरा उतरना – निराश होना
9. चार चाँद लगाना – अधिक शोभा बढ़ाना
10. घोड़े बेचकर सोना – निश्ंचित रहना
11. ईंट से ईंट बजाना – पूरी तरह नष्ट करना
12. दाल न गलना – सफल न होना

वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।

(ग) रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित मुहावरा चुनकर कीजिए।

1. डॉक्टर बनना **टेढ़ी खीर** है।
2. इस संकट के समय तुम्हारा साथ मेरे लिए **डूबते को तिनके का सहारा** है।
3. आप महेश पर विश्वास मत करना। वह **गिरगिट की तरह रंग बदलता** है।
4. अपने बेटे के फेल होने की बात सुनकर पिता **आग बबूला हो** गए।
5. अगर उन्नति करना चाहते हो तो **खयाली पुलाव पकाना** छोड़ो।

(घ) दी गई लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. एक ही थैली के चट्टे-बट्टे – सब एक समान
2. काला अक्षर भैंस बराबर – अशिक्षित या निरक्षर
3. घर का भेदी लंका ढाए – अपनों द्वारा हानि पहुँचना
4. खोदा पहाड़ निकली चुहिया – परिश्रम अधिक, फल कम
5. हथेली पर सरसों नहीं जमती – जल्दी में कोई काम नहीं बनता
6. दूध का दूध, पानी का पानी – उचित न्याय
7. कोयले की दलाली में हाथ काले – बुरी संगति का बुरा फल

8. चोर-चोर मौसेरे भाई – एक जैसे लोग जल्दी घुल-मिल जाते हैं।

वाक्य प्रयोग छात्र स्वयं करेंगे।

(ङ) दिए गए वाक्यांशों के लिए उचित लोकोक्ति चुनिए।

1. किसी का स्वाभाविक गुण नहीं जाता (घ) चोर चोरी से जाए पर हेरा-फेरी से न जाए ✓
2. जीवन सबसे मूल्यवान है (क) जान है तो जहान है ✓
3. जान-बूझकर पाप नहीं किया जाता (क) जीती मक्खी नहीं निगली जाती ✓
4. वस्तु थोड़ी और चाहने वाले अधिक (क) एक अनार सौ बीमार ✓
5. किसी भी हालत में खर्च न करना (ग) चमड़ी जाए पर दमड़ी न जाए ✓

कुछ करने की बारी

दिए गए शरीर के अंगों के नाम का प्रयोग करके कम से कम दस मुहावरे लिखिए।

कान नाक आँख मुँह पीठ

विद्यार्थी स्वयं करें।

27. अपठित बोध

अभ्यास

(क) दिए गए गद्यांशों को पढ़कर उनके साथ दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 1. झाला के सिर पर महाराणा प्रताप का छत्र-मुकुट देखकर मुगलों ने उसे महाराणा समझकर आक्रमण कर दिया। उनसे लड़ते-लड़ते झाला ने आत्मबलिदान दे दिया।

2. चेतक की एक टाँग मानसिंह के हाथी की सूँड में बँधी तलवार से घायल हो गई थी।

3. महाराणा प्रताप की जान बचाने के लिए चेतक 40 फीट चौड़े नाले को लंबी छलाँग लगाकर पार कर गया जिससे महाराणा प्रताप की जान तो बच गई पर चेतक के प्राण निकल गए।

4. व्यक्तिवाचक – महाराणा प्रताप, मानसिंह

जातिवाचक – घोड़ा, मुगल

5. शीर्षक – झाला का बलिदान।

2. 1. बुरे कर्म में लीन मनुष्य के जीवन में उन्नति के द्वार बंद हो जाते हैं।

2. उन्नति के द्वार बंद होने पर मनुष्य को पतन, अवनति तथा अपयश मिलता है।

3. लेखक ने कर्म को जीवन तथा अकर्म को मृत्यु कहा है।

4. पतन का विलोम है– उत्थान।

5. शीर्षक – कर्म ही जीवन है।

3. 1. दूसरे स्वप्न में महापुरुष ने देवदूत को कुछ लिखते हुए देखा।

2. देवदूत की सूची में ईश्वर के प्रिय भक्तों में अपना नाम सबसे ऊपर देखकर महापुरुष चकित हुआ।

3. भगवान उसी को श्रेष्ठ मानते हैं जो सबमें ईश्वर को व्याप्त मानकर उसकी सेवा करता है।

4. महापुरुष – महान है जो पुरुष, कर्मधारय समास।

5. शीर्षक – ईश्वर सब जगह है।

4. 1. लेखक ने मानव को क्या कहा है? (क) सामाजिक प्राणी ✓

2. एक समय कैसा रहा? (ख) समाज को अधिक महत्त्व दिया गया। ✓

3. राज्य, समाज, पंचायत या बिरादरी का मुख्य उद्देश्य क्या है? (क) मानव की नैतिक उन्नति के लिए सुविधा प्रदान करना। ✓

4. 'प्राचीन' शब्द का विलोम शब्द है– (ख) नवीन ✓

5. इस गद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए– (ख) मानव और समाज ✓

5. 1. रामदास के सिर पर सारा काम क्यों आ पड़ा?

(ग) पिता का निधन होने से ज़िम्मेदारी आ गई थी। ✓

2. माँ ने रामदास से क्या कहा? (क) व्यवसाय करके गृहस्थी चलाओ।

3. रामदास रातभर चला फिर भी गाँव से दूर क्यों नहीं गया? (ग) उसने नाव बाँधने की रस्सी नहीं खोली थी। ✓

4. माता ने नाव से रस्सी बँधी देखी तो क्या सोचा? (घ) मूर्ख बेटा व्यापार न कर सकेगा। ✓

5. 'माता' का पुल्लिंग शब्द है– (क) पिता ✓

6. 1. अलाउद्दीन ने चित्तौड़ पर क्यों चढ़ाई की? (ग) रानी पदमिनी को पाने के कुविचार से ✓
2. राजपूतों ने क्रोध में आकर क्या निर्णय लिया? (क) अलाउद्दीन से लोहा लेने का ✓
3. अलाउद्दीन ने वापस लौटने की क्या शर्त रखी?
(ग) पदमिनी का चेहरा मात्र दर्पण में देखने की ✓
4. चित्तौड़ में सब कुछ ठीक चल रहा था– रंगीन शब्दों का कारक पहचानिए।
(घ) अधिकरण कारक ✓
5. इस गद्यांश का उचित शीर्षक चुनो– (क) गोरा और बादल ✓

(ख) दिए गए पद्यांशों को पढ़कर उनके साथ दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. 1. कवि बंद आँखें खोलकर काम करने को कह रहा है।
2. कवि देश के लिए कुछ करने की बात कह रहा है।
3. कवि आराम न करके नए-नए विकल्प खोजने तथा पुरुषार्थ करने को कह रहा है।
4. जो लोग देश के किसी काम नहीं आ सके, चमन यानि देश उनका सत्कार नहीं कर पाएगा।
5. शीर्षक – काम करो।

2. 1. दीपक अपने आप को न बुझाने की बात इसलिए कह रहा है क्योंकि वह चमन का एकमात्र जलता दीया है।
2. कवि अपने विचारों के सहारे चल रहा है ताकि आगे आने वाली पीढ़ी को ज्ञान की रोशनी दे पाए।
3. कवि अपने पैरों के निशान न मिटाने के लिए इसलिए कह रहा है क्योंकि उसके पैरों के निशान देखकर ही दुनिया आगे चलेगी।
4. कवि बेबसी से यह प्रार्थना कर रहा है कि वह अपने अधरों से अपना मोल न बता पाएँ। अर्थात् वह अभिमानी न होने की प्रार्थना कर रहा है।
5. नफ़रत का विलोम प्यार।

3. 1. नयन-गंगा में बहने से कवि का तात्पर्य किसी के दुख में स्वयं डूबने से है।
2. बिजली का अर्थ रोशनी और बादल का अभिप्राय परेशानी और कष्टों से है।
3. कवि के हिस्से दर्द आया है क्योंकि सब लोगों ने उसे छला है।
4. तृण – तिनका, सूर्य – सूरज।
5. शीर्षक – किनारा।

4. 1. कवि काँटों से क्यों नफ़रत करते हैं? (क) उसकी नोंक लगने से खून बहा ✓
2. तितलियों के प्रति कवि को सहानुभूति क्यों है?
(ख) उनके लिए दो दिन भी फूल जीवित नहीं रहता। ✓
3. काँटे और फूल के जीवन की विडंबना क्या है?
(क) काँटे की उम्र लंबी और फूल की छोटी है। ✓
4. कवि को किस बात का दुख है? (ख) फूल की छोटी उम्र का ✓
5. इस पद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए– (क) फूल या काँटा ✓

5. 1. पग में शूल लगने पर क्या करना सही नहीं है? (घ) दिए गए सभी विकल्प ✓
2. कवि हमें आगे बढ़ने के लिए क्या काम करने के लिए प्रेरित करता है? (क) रास्ते की बाधाओं को दूर करने ✓

3. कैसे जीने से काम नहीं चलता? (क) भावुक बनकर जीने से ✓

4. ऐसे शब्द को चुनो जिसमें उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है– (घ) संघर्ष ✓

5. इस पद्यांश के लिए उचित शीर्षक चुनिए– (क) यों काम नहीं चलता जग में